४. ऐच्छिक उपक्रम

(अ) उत्पादक क्षेत्र

(१) क्षेत्र : अनाज

१.१ पिछवाड़े में बागबानी

• परिसर में अलग-अलग स्थानों में जाकर वहाँ के पेड़, पौधों का निरीक्षण करना।

मेरी कृति

• परिसर में पौधे लगाना

◆ परिसर में पाए जाने वाले वृक्षों की जानकारी दें। परिसर में पौधे लगवा लें।

१.२ गमलों में रोपाई

विविध आकार के गमलों का परिचय

मिट्टी का गमला

लकड़ी का गमला

प्लास्टिक का गमला

सीमेंट का गमला

चीनी मिट्टी का गमला

धातु का गमला

मेरी कृति

रंग भरो

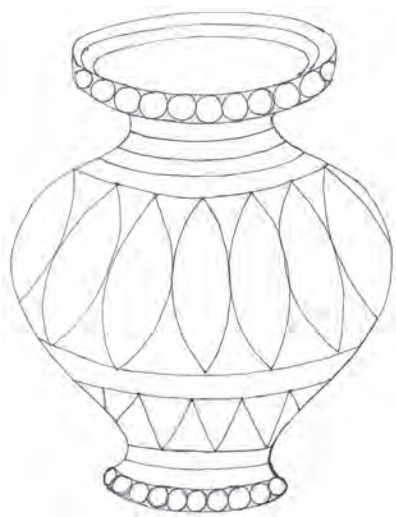

◆ विविध प्रकार के गमलों का परिचय कराएँ।

पौध वाटिका की सैर

मेरी कृति

गमले में पौधा लगाने की कृति क्रमशः बताओ।

◆ परिसर की किसी पौध वाटिका की सैर करवाएँ। पौधा लगाने के लिए कौन-कौन-सी वस्तुओं का उपयोग किया जाता है; इसकी जानकारी दें।

गमले में पौधा लगाना

मेरी कृति

पौध वाटिका में जो फूल-पत्ते तुम्हें अच्छे लगे; उनके चित्र बनाओ

- घर की वस्तुओं से छोटे-छोटे गमले तैयार करके उनमें पौधे किस प्रकार लगाए जाते हैं, इसकी जानकारी दें। जैसे-आइसक्रीम का कप, खाली डिब्बे आदि।

१.३ फल प्रक्रिया

(अ) विविध फल

मेरी कृति

फलों का स्वाद बताओ

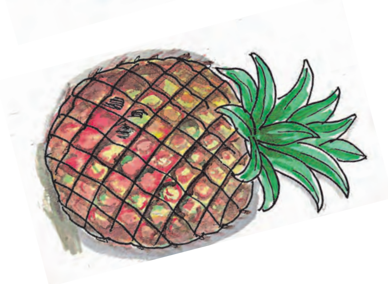

- चित्र में दिखाई देने वाले फलों के नाम, स्वाद और फलों के उपयोग पूछें।

(ब) फलों का पकना

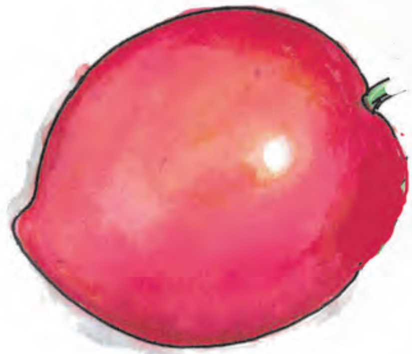

◆ कच्चे और पके फलों का स्वाद और रंग आदि की जानकारी पूछें।

१.५ मछली व्यवसाय

खारे पानी की मछलियाँ

मीठे (अलवण) पानी की मछलियाँ

खाड़ी के पानी की मछलियाँ

मेरी कृति

मछली बाजार की सैर करके निरीक्षण करने के लिए कहें।

- खारे पानी की मछली के प्रकार – सिंगर, सुरमई आदि।
- मीठे (अलवण) पानी की मछली के प्रकार – कतला, मृगल (मरल), रोहू आदि।
- खाड़ी के पानी की मछली के प्रकार – चनोस, मुलेट आदि। इन मछलियों की जानकारी दें।

(२) क्षेत्र : कपड़ा

२.१ वस्त्र निर्मिति

(अ) संवाद

(दादी कपास साफ कर रही हैं। आर्या, श्वेता, शुभम और संकेत आते हैं।)

श्वेता : दादी! आप यह क्या कर रही हैं? हमें कहानी सुनाइए ना!

दादी : अगर तुम मुझे कपास स्वच्छ करने के लिए मदद करोगे, तभी मैं तुम्हें कहानी सुनाऊँगी।

बच्चे : हाँ! क्या करना है?

दादी : इस कपास में जो बीज, तीलियाँ, सूखे पत्ते हैं, उन्हें अलग करना है, यह लो कपास...

(बच्चे कपास लेकर उसे साफ करते हैं।)

दादी : शाब्बाश बच्चो। चलो, अब मैं तुम्हें एक सुंदर कहानी सुनाती हूँ।

(आ) कथाकथन/कहानी प्रस्तुतीकरण

एक जंगल में विविध प्राणी रहते थे। वे हमेशा एक-दूसरे की मदद करते थे। लोग जंगल के पेड़ काटते थे, इसलिए इन्हें बड़ा डर लगने लगा। ये प्राणी जंगल में एक जगह पर बैठकर सोचने लगे। तभी एक हिरन का शावक दौड़ता हुआ आया। वह बहुत घबराया हुआ था।

उसकी माँ पूछने लगी, ''क्या हुआ?'' शावक ने कहा,''माँ ! आज मैंने ऐसा प्राणी देखा, जिसे आज तक नहीं देखा था। वह इधर-उधर घूम रहा था। कुछ देर बाद उसने अपने शरीर पर से कुछ तो खींचकर निकाला और उसे पेड़ पर लटकाकर वह पेड़ के नीचे सो गया।''

यह सुनकर बंदर ने कहा, ''अरे! यह प्राणी तो मनुष्य है। वह बहुत होशियार है। मनुष्य कपास की फसल उगाता है, उसकी देखभाल करता है। कपास से सूत निकालता है, उससे कपड़ा बनाकर शरीर पर पहनता है। सर्दी, हवा और बारिश से अपनी रक्षा करता है।''

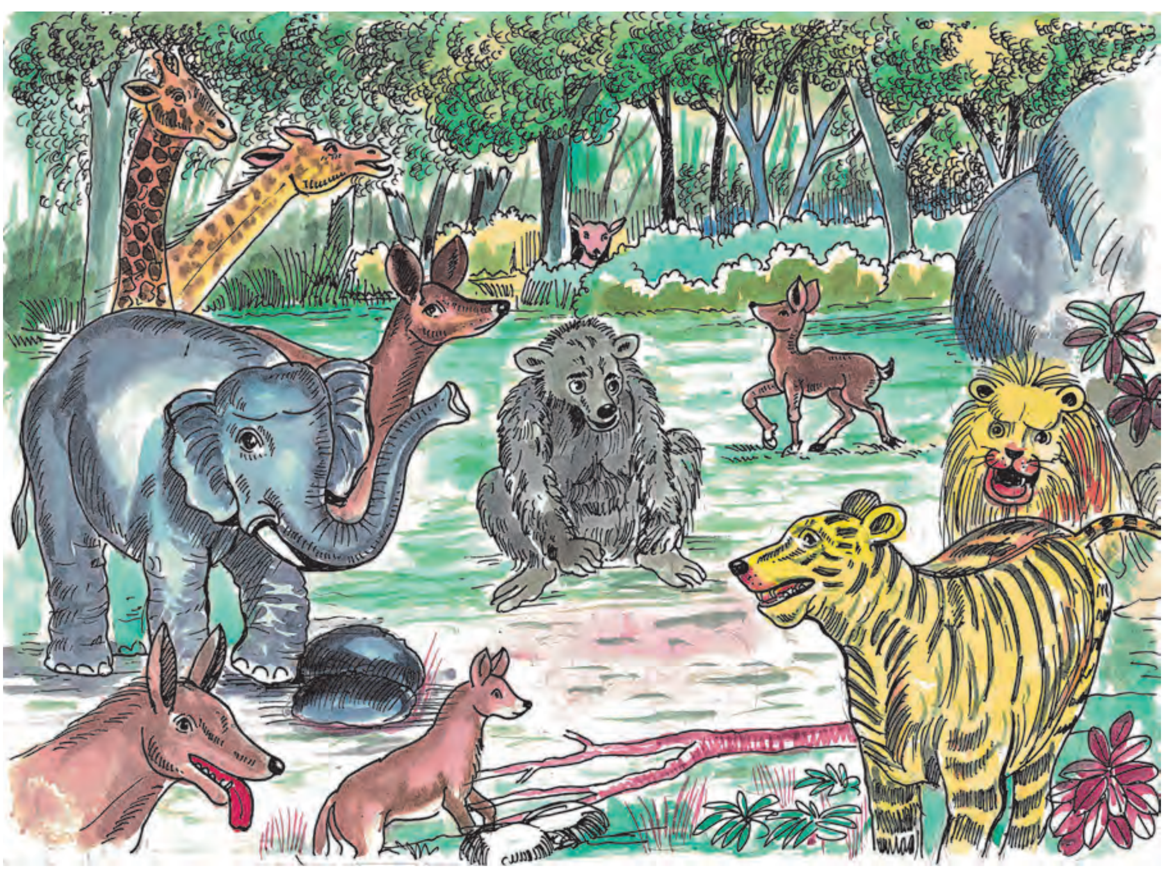

◆ कहानी का संवाद में परिवर्तन करके नाट्यीकरण करवाएँ।

(इ) गाना

माँ की साड़ी लाल लाल
प्यार से पोंछती मुन्ने का गाल ।।
गीली कुरती निकाल लेती
गमछे से शरीर पोंछ लेती ।।
दादी की साड़ी कितनी नरम
गुदड़ी बनाकर सोएँगे हम ।।
सुंदर फ्रॉकें दीदी पहनतीं
गणवेश पहनकर स्कूल में जातीं ।।
धोती पहनते दादा जी
कमीज पतलून पापा जी
भैया का कुर्ता नया-नया
मुझे भी चाहिए कुर्ता नया ।।

मेरी कृति

चित्र बनाओ

कमीज पैंट/पतलून फ्रॉक

◆ उपर्युक्त गीत लय, ताल के साथ कहलवा लें।

२.२ प्राथमिक सिलाई का काम

१. कपड़े की दुकान में जाना

२. कपड़े के विविध प्रकारों का परिचय

निम्न तालिका का वाचन करके कपड़ों के नमूने चिपकाओ

कपड़े के प्रकार	उपयोग	कपड़े का स्पर्श और गुणवत्ता	नमूना
सूती कपड़ा	धोती, साड़ी, गमछा, वर्दी, छोटे बच्चों के कपड़े, चद्‌दर टोपी आदि।	मुलायम, गरम पसीना सोखना	
रेशम का कपड़ा, साटिन, मलमल आदि	साड़ी, ड्रेस (लड़कियों की) कमीज, नाटक के कपड़े	चमकदार, मुलायम कोमल	
ऊनी कपड़ा	स्वेटर, शाल, गुलूबंद, कंटोप, मोजे आदि	खुरदरा, मुलायम, गरम	